दिन– गुरुवार दिनांक– 24/07/2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। अवधि– 15 मिनट

---

01. विधानमंडल के मानसून सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण– एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष के जोरदार हंगामे और नारेबाजी की भेंट चढ़ी।

02. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक–झोंक। हालात मारपीट तक पहुंचे।

03. संसद में भी एसआईआर के मुद्दे पर जारी है गतिरोध। मानसून सत्र के चौथे दिन भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन में विधायी कार्य प्रभावित।

04. और, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा – एसआईआर के दौरान किसी भी योग्य मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। पुनरीक्षण कार्य पूरा होने के करीब पहुंचा।

विधानमंडल के मानसून सत्र के चौथे दिन आज भी दोनों सदनों में एसआईआर के मुद्दे पर जोरदार हंगामा और नारेबाजी हुई। इसके चलते प्रश्नकाल प्रभावित हुआ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी सदस्यों का आक्रमक विरोध जारी रहा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। नेता प्रपितक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक–झोंक हुई। दोनों पक्षों के बीच मारपीट की नौबत आ गयी। मार्शल यदि बीच बचाव नहीं करते तो सदन में कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। इस दौरान आक्रोशित सदस्यों ने रिपोटर्स टेबल और कुर्सी भी पलट दी। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव बार–बार सदस्यों से मर्यादा का पालन करने की अपील करते रहे, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिखा।

–––एम्बियंस–––

इससे पहले, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष ने एसआईआर पर सदन में चर्चा की मांग की, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया। जिसके बाद विधानसभा की कार्यवाही शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कल की घटनाक्रम पर खेद जताते हुए कहा कि एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है। श्री यादव ने कहा कि आयोग को किसी भी व्यक्ति की नागरिकता

साबित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से नहीं हटाया जाएगा।

———बाइट———

———————————————————————

चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि चुनाव आयोग का कदम संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है। उन्होंने अभियान की समय सीमा पर सवाल उठाया। भाकपा–माले के महबूब आलम ने कहा कि एसआईआर के कारण आम लोगों खास कर प्रवासी मजदूरों को काफी परेशानी हो रही है। सीपीएम के अजय कुमार ने एसआईआर को तत्काल वापस लेने की मांग की। सीपीआई के सूर्यकांत पासवान ने कहा कि एसआईआर लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। एआईएमआईएम के अख्तरूल इमान ने भी एसआईआर को तत्काल वापस लेने की मांग की। इधर, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सत्तापक्ष की ओर से बोलते हुए कहा कि राज्य में एसआइआर की सांवैधानिक प्रक्रिया सूचारु रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि अभियान में मतदाताओं का पूरा सहयोग मिल रहा है।

———बाइट———

———————————————————————

वहीं, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं को आश्वस्त किया कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम नहीं कटेगा।

———बाइट———

हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा की ज्योति देवी ने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने की प्रक्रिया है।

———————————————————————

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण विधानसभा ने आज बिहार विनियोग विधेयक दो हजार पच्चीस को बिना चर्चा के पारित कर दिया। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधेयक सदन के पटल पर रखते हुए कहा कि हाल ही में सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए एक सौ पच्चीस यूनिट तक बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। विनियोग विधेयक के माध्यम से उसके लिए राशि की व्यवस्था की जायेगी। उन्होने कहा कि

इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए जो राशि चार सौ रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर ग्यारह सौ रुपये की गयी उसके लिए समाज कल्याण विभाग के लिए व्यवस्था की जायेगी।

———————————————————————

उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने आज नियंत्रक और महालेखा परीक्षक–सीएजी की रिपोर्ट विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत की। श्री चौधरी ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष, दो हजार तेईस–चौबीस की कैग रिपोर्ट के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष, दो हजार बाईस–तेईस की तुलना में चौदह दशमलव चार–सात प्रतिशत की अधिक दर से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह राज्य की वित्तीय व्यवस्था के कुशल प्रबंधन से संभव हुआ है।

———————————————————————

संसद में भी एसआईआर के मुद्दे पर लगातार चौथे दिन गतिरोध जारी रहा। लोकसभा की कार्यवाही विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण पहले दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित की गई। बाद में भी हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पूर्व, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों के सदन में व्यवधान डालने और तख्तियां दिखाने पर चिंता व्यक्त की की।

———बाइट———

पुनः आपसे आग्रह करता हूं कि लोगों की अपेक्षा, आकांक्षा उठाने के लिए तखतियां लेकर मेजें तोड़ने के लिए नहीं भेजा है। आप अपने–अपने आसन पर जाएं। प्रश्नकाल के बाद नियमों के तहत आपको हर मुद्दे विषय पर बोलने दिया जाएगा।

———————————————————————

नालंदा से जदयू सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने विपक्षी दलों पर राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर केवल हंगामा करना चाहता है।

————बाइट———

सरकार तो तैयार है पीठ से भी कहा गया था, रक्षा मंत्री ने कहा, गृह मंत्री ने कहा, संसदीय कार्य मंत्री ने अनुरोध किया कि भाई आप चर्चा कल लीजिए, खाली हल्ला क्यों करते हों। लेकिन तख्ती लेकर तो ये लोग खड़े हो जाते हैं, हल्ला करते हैं। चर्चा भी नहीं करना चाहते, इसलिए कि बिहार में चुनाव है, तो इंडिया गठबंधन एक मुद्दा बनाया है कि बिहार के मुद्दे पर ही हल्ला हो और सदन को चलने नहीं दिया जाए।

जनता दल यूनाईटेड ने एसआईआर की टाईमिंग पर सवाल खड़े करने वाले पार्टी के सांसद गिरधारी यादव को नोटिस जारी किया है। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अफाक अहमद खान ने नोटिस जारी करते हुए पंद्रह दिनों के अंदर जवाब देने को कहा है। गौरतलब है कि गिरधारी यादव ने पार्टी लाईन से अलग हटकर मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर कहा है कि यह प्रक्रिया इतने कम समय में संभव नहीं है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि बिहार में कोई योग मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर नहीं होगा। श्री कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य अपात्र मतदाताओं का नाम बाहर कर मतदाता सूची को पूरी तरह से शुद्ध बनाना है।

राज्य में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य अब पूरा होने के करीब है। चुनाव आयोग ने बताया है कि अब तक अभियान के तहत निन्यानवे फीसदी मतदाताओं का सत्यापन किया जा चुका है। आयोग ने कहा है कि सात करोड़ इक्कीस लाख से अधिक गणना फार्म एकत्र किए गए हैं। अब सात लाख से कम मतदाताओं को ही अपने फार्म जमा कराने हैं। आयोग ने यह भी बताया कि सत्यापन के क्रम में बीएलओ और बीएलए के माध्यम से इक्कीस लाख छह हजार मृत मतदाताओं की पहचान की गयी है। इकतीस लाख पांच हजार ऐसे लोग पाये गए हैं जो स्थाई रूप से दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में स्थानांतरित हो गये हैं। जबकी सात लाख मतदाताओं ने एक से अधिक जगह पर पंजीककरण करा रखा है। लगभग एक लाख ऐसे मतदाता हैं, जो अपने पते पर नहीं मिले है। चुनाव आयोग ने कहा है कि ऐसे मतदाताओं की सूची राजनीति दलों के साथ पहले ही साझा की जा चुकी है ताकि वे किसी भी त्रुटी की पहचान कर सकें।

राजद के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर मतदाताओं के नाम

काटे जा रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि ऐसे में चुनाव का महत्व क्या रह जाता है। उन्होंने चुनाव बहिष्कार के विकल्प पर गंभीरता से विचार की बात फिर दोहराई है।

———बाइट———

———————————————————————

जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि हताशा में विपक्षी नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नकली वोटरों की पहचान किये जाने से इन्हें तकलीफ हो रही है।

———बाइट———

———————————————————————

मानसूनी सिस्टम के कमजोर पड़ जाने से प्रदेश के अधिकांश भागों में अल्प बर्षा की स्थिति बनी हुयी है। वहीं, वायुमंडल में आद्रता बढ़ जाने से लोगों को उमसभरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आज सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, बांका, कटिहार, भागलपुर और बक्सर जिले में अनेक स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान राज्य के उत्तर–मध्य और उत्तर–पश्चिम भागों में कई स्थानों पर आंधी–पानी के साथ ही वज्रपात की भी आशंका है।

———बाइट———

इधर, कैमूर जिले के सोनहन थाना क्षेत्र के बरहुली गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। हमारे संवाददाता ने बताया कि घटना के समय दोनों मजदूर खेत में रोपनी का काम कर रहे थे।

———————————————————————

गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक और महानंदा समेत विभिन्न नदियों के जलस्तर में बढ़ोत्तरी की प्रवृती बनी हुयी है। हालांकि गंगा नदी का जलस्तर बक्सर, पटना समेत कई स्थानों पर घटा है। लेकिन कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से सुपौल, कटिहार समेत कई जिलों के निचले इलाकों में पानी फैला।

———————————————————————

कटिहार जिले में गंगा और कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण विभिन्न पंचायतों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। कई इलाकों में सड़क संपर्क टूट जाने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। एक रिपोर्ट––

–––रिपोर्ट–––

गंगा, कोसी और बरंडी नदी में बाढ़ से जिले के आजमनगर, सेमापुर और मोहना चांदपुर समेत कई पंचायतों में स्थिति बदतर हो गयी है। इन इलाकों में कटाव तेज हो गया है। निचले इलाकों में पानी फैल रहा है, जिससे जन–जीवन प्रभावित है। इधर, सेमापुर, सुखासन, चितौड़िया, बांसवाड़ा में कारी कोसी में बाढ़ के कारण सड़क संपर्क कई स्थानों पर टूट गया है। नाव से ही लोग आवागमन कर रहे हैं। सुखासन पंचायत के गंज गांव में स्थिति अधिक विकट है। हालांकि महानंदा नदी का जलस्तर घटने से लोगों ने राहत महसूस की है। आकाशवाणी समाचार के लिए कटिहार से कुमार मुकेश चौधरी।

———————————————————

सीवान पुलिस ने गेमिंग ऐप के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

———————————————————

मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत शुतुरखाना मुबारकचक गांव में छापेमारी कर पुलिस ने बड़ी संख्या में हथियार बरामद किये हैं। फरार हथियार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

———————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर.....

01. विधानमंडल के मानसून सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण– एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष के जोरदार हंगामे और नारेबाजी की भेंट चढ़ी।

02. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक–झोंक। हालात मारपीट तक पहुंचे।

03. संसद में भी एसआईआर के मुद्दे पर जारी है गतिरोध। मानसून सत्र के चौथे दिन भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन में विधायी कार्य प्रभावित।

04. और, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा – एसआईआर के दौरान किसी भी योग्य मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। पुनरीक्षण कार्य पूरा होने के करीब पहुंचा।

———————————————————

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।